

# दानियेल की पुस्तक - संख्या पंद्रह

डैनियल अध्याय दो - सारांश और निष्कर्ष भाग दो

Jeff Pippenger

2023-12-10

जुलाई 2023 के अंत में, जंगल में पुकारनेवाली आवाज़ मृत, सूखी हड्डियों को पुकारने लगी, जिसका प्रतिनिधित्व दानियेल के अर्योक के पास जाकर उसे यह बताने से होता है कि वह "रहस्य" समझ गया है। दानियेल, हनन्याह, मीशाएल और अजर्याह मिलकर एलिय्याह के दूत का प्रतिनिधित्व करते हैं, और एलिय्याह संदेश यह बताता है कि चाहे परमेश्वर के लोग उसे समझें या स्वीकार करें या नहीं, वे पहले से ही एक अभिशाप के अधीन हैं।

और अब, हे याजकों, यह आज्ञा तुम्हारे लिये है। यदि तुम न सुनोगे और यदि तुम मन में यह न ठानोगे कि मेरे नाम की महिमा करो, तो सेनाओं के यहोवा कहता है, मैं तुम पर शाप भेजूंगा, और तुम्हारी आशीषों को शाप दूँगा; हाँ, मैं उन्हें पहले ही शाप दे चुका हूँ, क्योंकि तुम इसे मन में नहीं रखते। मलाकी 2:1, 2.

पतरस के अनुसार, अंतिम दिनों के "याजक" वे परमेश्वर की वाचा के लोग हैं जो पहले परमेश्वर की वाचा के लोग नहीं थे। वे वही हैं जिन्होंने "गुप्त पुस्तक" को खया जब प्रकाशितवाक्य अठारह का शक्तिशाली स्वर्गदूत 11 सितंबर, 2001 को उतरा। परंतु मलाकी के अनुसार, वे शापित हैं।

यदि तुमने यह चखा है कि प्रभु कृपालु है। उसके पास आकर—जो मनुष्यों के द्वारा तो अस्वीकार किया गया, परन्तु परमेश्वर के यहाँ चुना हुआ और बहुमूल्य जीवित पत्थर है—तुम भी, जीवित पत्थरों के समान, एक आत्मिक घर के रूप में निर्मित किए जा रहे हो, ताकि पवित्र याजकत्व बनकर यीशु मसीह के द्वारा परमेश्वर को ग्राह्य आत्मिक बलिदान चढ़ाओ। इसलिए शास्त्र में भी लिखा है, 'देख, मैं सिय्योन में एक कोने का मुख्य पत्थर रखता हूँ, चुना हुआ, बहुमूल्य; और जो उस पर विश्वास करेगा वह लज्जित न होगा।' इसलिए तुम्हारे लिए, जो विश्वास करते हो, वह बहुमूल्य है; परन्तु जो आज्ञा न मानते, उनके लिए, 'जिस पत्थर को राजमिस्त्रियों ने तुच्छ जाना, वही कोने का सिरा बन गया,' और 'ठोकर का पत्थर और ठेस की चट्टान'—वे जो वचन में ठोकर खाते हैं, क्योंकि वे आज्ञा नहीं मानते; और इसके लिए वे ठहराए भी गए थे। परन्तु तुम एक चुनी हुई पीढ़ी, एक राजकीय याजकत्व, एक पवित्र राष्ट्र, एक विशिष्ट प्रजा हो; ताकि तुम उसके गुणों को प्रगट करो, जिसने तुम्हें अन्धकार से अपनी अद्भुत ज्योति में बुलाया है—जो पहले कोई प्रजा न थे, पर अब परमेश्वर की प्रजा हो; जिन्होंने पहले दया न पाई थी, पर अब दया पा ली है। 1 पतरस 2:3-10.

"अंतिम दिनों" के "याजक" वे हैं जिन्होंने "यह चख लिया है कि प्रभु भला है।" "बीते समयों में" वे "लोग नहीं थे, पर अब परमेश्वर की प्रजा हैं।" वे वे हैं जिन्होंने उस "जीवित पत्थर" को पाया है, जो "निश्चय ही मनुष्यों द्वारा अस्वीकार किया गया, परन्तु परमेश्वर द्वारा चुना हुआ और बहुमूल्य" है। वह पत्थर "लेवितिकस छब्बीस" का "सात समय" है, जिसे मिलेराइट आंदोलन के "निर्माताओं" ने 1863 में "अस्वीकृत" कर दिया। मिलेराइट "निर्माताओं" ने 1798 से 1844 तक छियालिस वर्षों में एक मंदिर बनाया, परन्तु उसके बाद उन्होंने 1856 में आई "सात समय" के विषय में "ज्ञान की वृद्धि" को अस्वीकार करना चुना।

मेरे लोग ज्ञान के अभाव से नाश हो रहे हैं; क्योंकि तू ने ज्ञान को ठुकराया है, इसलिए मैं भी तुझे ठुकरा दूँगा, कि तू मेरे लिये याजक न रहेगा; क्योंकि तू ने अपने परमेश्वर की व्यवस्था को भूल दिया है, मैं भी तेरे पुत्रों को भूल जाऊँगा। जितना वे बढ़े, उतना ही उन्होंने मेरे विरुद्ध पाप किया; इसलिये मैं उनकी महिमा को लज्जा में बदल दूँगा। होशे 4:6, 7.

अंतिम दिनों के 'याजकों' ने 'सात गुना' के संदेश को स्वीकार किया, जब 11 सितंबर, 2001 के बाद उन्हें एडवेंटवाद के पुराने मार्गों पर वापस ले जाया गया। उन्होंने गुप्त पुस्तक के संदेश का स्वाद चखा, और वह 'बहुमूल्य' था। फिर

भी मलाकी कहता है कि अंतिम दिनों के याजक 'शापित' हैं, और निस्संदेह 'सात गुना' एक शाप है। वे 'सात गुना' के शाप के अधीन हैं, क्योंकि उन्होंने अपने पितरों के पापों को दोहराया है। मलाकी कहता है कि याजकों ने 'दूषित भेंट' चढ़ाकर परमेश्वर के नाम का अपमान किया। वह भेंट 18 जुलाई, 2020 की भविष्यवाणी थी।

क्योंकि सूर्य के उदय से लेकर उसके अस्त होने तक अन्यजातियों में मेरा नाम महान होगा; और हर स्थान पर मेरे नाम के लिये धूप चढ़ाई जाएगी और शुद्ध भेंट चढ़ाई जाएगी; क्योंकि अन्यजातियों में मेरा नाम महान होगा, सेनाओं के यहोवा की यह वाणी है। परन्तु तुमने उसे अपवित्र किया है, यह कहकर कि, प्रभु की मेज अशुद्ध है; और उसका फल, अर्थात् उसका भोजन, तुच्छ है। तुम यह भी कहते हो, देखो, यह तो क्या ही कष्टकर है! और तुमने उसका तिरस्कार किया है, सेनाओं के यहोवा की यह वाणी है; और तुम फटा हुआ, लंगड़ा और बीमार ले आए; इसी प्रकार तुमने भेंट चढ़ाई—क्या मैं तुम्हारे हाथ से यह स्वीकार करूँ? सेनाओं के यहोवा की यह वाणी है। परन्तु धिक्कार है उस धोखेबाज़ पर, जिसके झुंड में नर है, वह मन्नत मानता है, परन्तु प्रभु के लिये दोषयुक्त वस्तु का बलिदान चढ़ाता है; क्योंकि मैं बड़ा राजा हूँ, सेनाओं के यहोवा की यह वाणी है, और अन्यजातियों में मेरा नाम भयप्रद है। और अब, हे याजको, यह आज्ञा तुम्हारे लिये है। यदि तुम न सुनोगे, और यदि मेरे नाम को महिमा देने की बात को मन में न लोगे, तो—सेनाओं के यहोवा की यह वाणी है—मैं तुम पर शाप भेजूँगा और तुम्हारी आशीषों को शाप दूँगा; हाँ, मैंने उन्हें पहले ही शाप दिया है, क्योंकि तुम इसे मन में नहीं लगाते। देखो, मैं तुम्हारे बीज को बिगाड़ दूँगा, और तुम्हारे मुखों पर मल, अर्थात् तुम्हारे पर्वोत्सवों का मल, फैला दूँगा; और तुम उसी के साथ उठा लिए जाओगे। तब तुम जानोगे कि मैंने यह आज्ञा तुम्हारी ओर भेजी है, ताकि लेवी के साथ मेरा वाचा बना रहे, सेनाओं के यहोवा की यह वाणी है। मलाकी 1:11-2:4.

लेवी के साथ की वाचा, हारून के सोने के बछड़े के विद्रोह के दौरान पशु की छवि की परीक्षा में लेवियों की विश्वासयोग्यता का प्रतीक है। मलाकी की पुस्तक में, वाचा के दूत द्वारा शुद्ध किए गए लेवी धर्म में "एक भेंट" चढ़ाने के लिए शुद्ध किए जाते हैं। यह भेंट मसीह के नाम का संदेश है, जो उसका चरित्र है।

ईश्वर के विषय में भ्रांत धारणा का अंधकार ही संसार को ढक रहा है। लोग उसके चरित्र का ज्ञान खोते जा रहे हैं। उसके चरित्र को गलत समझा गया है और उसका गलत अर्थ लगाया गया है। इसी समय ईश्वर की ओर से एक संदेश का प्रचार किया जाना है, एक ऐसा संदेश जो अपने प्रभाव में प्रकाशमान और अपनी शक्ति में उद्धारक हो। उसका चरित्र प्रकट किया जाना है। संसार के अंधकार में उसकी महिमा का प्रकाश, उसकी भलाई, दया और सत्य का प्रकाश बिखेरा जाना है।

यह वही कार्य है जिसे भविष्यद्वक्ता यशायाह ने इन शब्दों में वर्णित किया है, 'हे येरूशलेम, जो शुभ समाचार लाती है, बल के साथ अपनी वाणी ऊँची कर; उसे ऊँचा कर, न डर; यहूदा के नगरों से कह, देखो, तुम्हारा परमेश्वर! देखो, प्रभु यहोवा शक्तिशाली हाथ से आएगा, और उसकी भुजा उसके लिये राज्य करेगी; देखो, उसका प्रतिफल उसके साथ है, और उसका कार्य उसके आगे-आगे है।' यशायाह 40:9, 10.

"जो दूल्हे के आगमन की प्रतीक्षा कर रहे हैं, उन्हें लोगों से कहना है, 'देखो, तुम्हारा परमेश्वर।' करुणामय प्रकाश की अंतिम किरणें, संसार को दिया जाने वाला करुणा का अंतिम संदेश, उसके प्रेममय चरित्र का प्रकाशन है। परमेश्वर की संतानों को उसकी महिमा प्रकट करनी है। अपने ही जीवन और चरित्र में उन्हें यह प्रकट करना है कि परमेश्वर के अनुग्रह ने उनके लिए क्या किया है।" Christ's Object Lessons, 415.

मलाकी के याजकों ने ऐसी भेंट चढ़ाई जिसने परमेश्वर के नाम को दूषित किया। भेंट एक संदेश का प्रतिनिधित्व करती है, और 18 जुलाई, 2020 को नैशविल का संदेश एक दूषित भेंट था। यह मसीह ने स्वयं प्रकाशितवाक्य दस में दी हुई भविष्यसूचक आज्ञा— "कि समय अब और न रहेगा"—की अवहेलना के विद्रोह से दूषित हो गया।

और जिस स्वर्गदूत को मैंने समुद्र और पृथ्वी पर खड़ा हुआ देखा, उसने अपना हाथ स्वर्ग की ओर उठाया, और उस की शपथ खाई जो युगानुयुग जीवित है, जिसने स्वर्ग और जो कुछ उसमें है, और पृथ्वी और जो कुछ उस पर है, और समुद्र और जो कुछ उसमें है, सब की सृष्टि की, कि अब और समय न रहेगा। प्रकाशितवाक्य 10:5, 6.

मलाकी के तीसरे अध्याय में लेवियों द्वारा दर्शाई गई "धर्म की भेंट" प्राचीन दिनों की भेंट के समान है, और वह एक संदेश का प्रतिनिधित्व करती है। "पूर्व वर्ष" उस संदेश की शुद्धता का प्रतिनिधित्व करते हैं जिसने मिलराइट इतिहास में पहली निराशा उत्पन्न की। भ्रष्ट भेंट 18 जुलाई, 2020 के भ्रष्ट संदेश का प्रतिनिधित्व करती है, फिर भी यह एक समांतर घटना है।

और वह चाँदी को गलानेवाले और शुद्ध करनेवाले के समान बैठेगा; और वह लेवी के पुत्रों को शुद्ध करेगा, और उन्हें सोने और चाँदी की तरह परिष्कृत करेगा, ताकि वे धार्मिकता में प्रभु के लिये भेंट चढ़ाएँ। तब यहूदा और यरूशलेम की भेंट प्रभु को प्रिय लगेगी, जैसे प्राचीन दिनों में और पुराने वर्षों में हुआ करती थी। मलाकी 3:3, 4.

मलाकी में उल्लिखित "शाप" इस बात की परीक्षा ठहराता है कि हम एलिय्याह के प्रतिनिधित्व को स्वीकार करते हैं या नहीं। हममें से जो अब जाग रहे हैं, उन्हें समझना चाहिए कि "सात गुना" के शाप की वास्तविकता हम पर पूरी हो चुकी है, उस विद्रोह में जो हमने 18 जुलाई, 2020 की पापपूर्ण भविष्यवाणी करके प्रकट किया। हमें एक बार फिर यह भी तय करना होगा कि हम भविष्यवाणी की कौन-सी पद्धति को ग्रहण करना चुनते हैं। इस तथ्य के दो साक्ष्य (और अन्य भी) आने वाले एलिय्याह के बारे में मलाकी की प्रस्तुति में, और स्वयं एलिय्याह के इतिहास में मिलते हैं। एलिय्याह ने स्पष्ट किया कि सही संदेश और पद्धति केवल एक ही होगी।

तिष्बी एल्याह, जो गिलाद के निवासियों में से था, ने आहाब से कहा, "इस्राएल का यहोवा परमेश्वर जीवित है, जिसके सम्मुख मैं खड़ा हूँ: इन वर्षों में न तो ओस गिरेगी, न वर्षा होगी; परन्तु मेरे वचन के अनुसार ही।" 1 राजा 17:1.

मलाकी ने एक "श्राप" की पहचान की, जिसके अधीन परमेश्वर के याजक उस काल में होते हैं जब अंतिम एलिय्याह प्रकट होता है; यह परमेश्वर के दशमांश से जुड़े श्राप के संदर्भ में है। मलाकी में दशमांश का "श्राप" परमेश्वर के लोगों की ओर से एक निर्णय का प्रतिनिधित्व करता है, क्योंकि जिस श्राप के अधीन वे पहले से हैं उसे दूर करने के लिए उन्हें यह तय करना होगा कि "भंडारगृह" क्या है और कहाँ है।

देखो, मैं अपना दूत भेजूँगा, और वह मेरे आगे मार्ग तैयार करेगा; और जिस प्रभु को तुम ढूँढ़ते हो, वह अचानक अपने मंदिर में आएगा—वही वाचा का दूत, जिसमें तुम प्रसन्न होते हो। देखो, वह आएगा, सेनाओं के यहोवा की यह वाणी है। पर उसके आने के दिन को कौन सह सकेगा? और जब वह प्रकट होगा तो कौन ठहर सकेगा? क्योंकि वह सुनार की आग के समान और धोबियों के साबुन के समान है। और वह चाँदी को गलाने और शुद्ध करने वाले की तरह बैठ जाएगा; और वह लेवी के पुत्रों को शुद्ध करेगा, और उन्हें सोने-चाँदी की तरह शुद्ध करेगा, ताकि वे प्रभु को धर्म के अनुसार भेंट चढ़ाएँ। तब यहूदा और यरूशलेम की भेंटें प्रभु को प्रिय लगेगी, जैसे प्राचीन दिनों में और पिछले वर्षों में थीं। और मैं तुम्हारे पास न्याय करने को आऊँगा; और मैं टोने-बटोने वालों, व्यभिचारियों, झूठी शपथ खाने वालों, मजदूर की मजदूरी मारने वालों, विधवा और अनाथ पर अंधे करने वालों, परदेसी का हक छीन लेने वालों, और जो मुझसे नहीं डरते—सेनाओं के यहोवा की यह वाणी है—के विरुद्ध शीघ्र साक्षी बनूँगा। क्योंकि मैं यहोवा हूँ, मैं बदलता नहीं; इसलिए हे याकूब की सन्तान, तुम नष्ट नहीं हुए। तुम्हारे पितरों के दिनों से ही तुम मेरी विधियों से भटकते आए हो और उन्हें नहीं माना है। मेरी ओर लौट आओ, और मैं तुम्हारी ओर लौट आऊँगा, सेनाओं के यहोवा की यह वाणी है। पर तुम कहते हो, हम किस बात में लौटें? क्या मनुष्य परमेश्वर को लूटेगा? फिर भी तुमने मुझे लूटा है। पर तुम कहते हो, हमने तुझे किस बात में लूटा? दशमांश और भेंटों में। तुम श्राप से शापित हो; क्योंकि तुमने—हाँ, इस सारे राष्ट्र ने—मुझे लूटा है। सब दशमांश भंडार-गृह में ले आओ ताकि मेरे घर में भोजन-वस्तु हो, और अब इस बात में मुझे परखो, सेनाओं के यहोवा की यह वाणी है, कि क्या मैं तुम्हारे लिये आकाश के झरोखे न खोल दूँगा, और तुम्हारे ऊपर ऐसी आशीष न बरसाऊँगा कि उसे रखने के लिये स्थान न रहेगा। और मैं तुम्हारे लिये भक्षक को डाँटूँगा कि वह तुम्हारी भूमि की उपज को नष्ट न करे; और तुम्हारी बेल खेत में अपने फल को समय से पहले न गिराए—सेनाओं के यहोवा की यह वाणी है। मलाकी 3:1-11.

प्रभु नहीं बदलते, और न ही वे अपनी कार्य-प्रणाली बदलते हैं। 'शाप' चाहे जैसा भी हो या न हो—जैसा कि मलाकी में 'दशमांश' के शाप द्वारा दिखाया गया है—'दशमांश' को 'भंडार-गृह' में लाया जाना है, ताकि परमेश्वर के घर में 'भोजन' हो। यह तथ्य मांग करता है कि यह निर्णय लिया जाए कि 'भंडार-गृह' क्या है, और पहले स्वर्गदूत के आंदोलन में विलियम मिलर द्वारा जो भोजन निरूपित था, वह क्या था, जिसने तीसरे स्वर्गदूत के आंदोलन में खाए जाने वाले भोजन का प्रतिरूप प्रस्तुत किया? उस भोजन के प्रतीकों में 'वर्षा' और 'ओस' शामिल हैं।

हे आकाश, सुनो, और मैं बोलूँगा; और हे पृथ्वी, मेरे मुख के वचन सुनो। मेरी शिक्षा वर्षा की तरह टपकेगी, मेरी वाणी ओस के समान टपकेगी, कोमल पौधे पर महीन वर्षा की तरह, और घास पर बौछारों की तरह; क्योंकि मैं यहोवा के नाम की घोषणा करूँगा; तुम हमारे परमेश्वर को महान ठहराओ। वह चट्टान है; उसका काम सिद्ध है, क्योंकि उसकी सारी राहें न्याय की हैं; वह सत्य का परमेश्वर है और उसमें अधर्म नहीं; वह धर्मी और सीधा है। व्यवस्थाविवरण 32:1-4.

क्या एलियाह ने अहाब से जो कहा था, उसका सचमुच वही अर्थ था? क्या उसका वास्तव में यह आशय था कि अंतिम दिनों में, जब एलियाह के आंदोलन और संदेश की परिपूर्ण पूर्ति होगी, तब "इन वर्षों में न तो ओस होगी और न वर्षा, केवल मेरे वचन के अनुसार"? क्या वह "वर्षा" जिसके रोके जाने की बात एलियाह करता है, सिवाय उसके वचन के, उस "वर्षा" से मेल खाती है जिसे मलाकी आशीष के रूप में वादा करता है?

सब दशमांश भंडार-गृह में ले आओ, ताकि मेरे घर में भोजन हो; और अब इस में मेरी परीक्षा करो, सेनाओं के यहोवा कहते हैं, कि क्या मैं तुम्हारे लिए आकाश के झरोखे नहीं खोल दूँगा और तुम पर ऐसी आशीष नहीं उड़ेलूँगा कि उसे रखने के लिए स्थान न रहेगा। मलाकी 3:10.

और क्या "याजकों" की असंस्कारित "भेंट" का "शाप", और "दशमांश" का वह दुरुपयोग जो पहले ही हो चुका है, भी "सात बार" के "शाप" का प्रतिनिधित्व करते हैं?

जुलाई 2023 के अंत में, हमने ऐसे लेख प्रकाशित करना शुरू किया जो मूलतः 'हबक्कूक की तालिकाएँ' नामक अध्ययन-श्रृंखला में पाए जाने वाले संदेश की पुनरावृत्ति हैं। वर्तमान प्रस्तुति में अंतर यह है कि 18 जुलाई, 2020 के बाद, प्रभु ने कुछ पुरानी शिक्षाओं को नई रोशनी में प्रस्तुत करना शुरू किया।

वह ऐसी बातें उजागर करने लगा जो मुझे गहन लगीं, लेकिन मैं व्यक्तिगत रूप से उस काम से कटा हुआ था और पहले जो काम मुझे पूरा करने के लिए दिया गया था, उससे जुड़ने के लिए इच्छुक नहीं था। 19 जुलाई 2020 से मुझे समझ में आया कि पिछले दिन की भविष्यवाणी गलत थी, और उस पापपूर्ण भविष्यवाणी और उसके भयानक दुष्परिणामों के लिए किसी भी अन्य व्यक्ति की तुलना में व्यक्तिगत रूप से मैं अधिक जिम्मेदार था।

फिर जुलाई 2023 में मुझे एक दृढ़ विश्वास ने घेर लिया कि परमेश्वर के तीसरे स्वर्गदूत के आंदोलन के नेता के रूप में मेरी पूरी विफलता के बावजूद, मुझे कम से कम जुलाई 2020 से जो मैं समझता आया था, उसे लिखना शुरू कर देना चाहिए। मैंने यह निश्चय किया कि 18 जुलाई, 2020 के पाप के बाद से जो मेरे लिए खुला था, उसे लिखित रूप में उतार दूँ और उसे सार्वजनिक अभिलेख में दर्ज कर दूँ, इससे पहले कि मुझे विश्राम दिया जाए।

जुलाई से अब तक के तीन महीनों में, दुनिया भर के सत्तर से अधिक देश अब इन लेखों का अनुसरण कर रहे हैं। हाँ, निस्संदेह कुछ उनका अनुसरण अधार्मिक उद्देश्यों और इरादों से कर रहे हैं, लेकिन सभी नहीं। हम एक ऐसे कार्यक्रम को शुरू करने की कगार पर हैं जो इन लेखों का पृथ्वी ग्रह की सभी प्रमुख भाषाओं में अनुवाद करेगा, क्योंकि इस समय वे सत्तर से अधिक देश इन सच्चाइयों पर केवल अंग्रेज़ी भाषा में ही विचार करने के लिए विवश हैं।

हम पहले से ही दुनिया भर के कुछ लोगों की मदद करने के लिए काम कर रहे हैं, जिनके पास इन सच्चाइयों के साथ बहुत कुछ कर पाने के साधन और उपाय नहीं हैं; और मुझे यह विचार आता है कि मलाकी का "भंडारगृह", जिसका स्पष्ट उद्देश्य परमेश्वर के घर में "भोजन" उपलब्ध कराना है, कहीं जुलाई 2023 से इन लेखों के माध्यम से फैल रही

सच्चाई के प्रसार के कार्य की ओर तो संकेत नहीं करता?

हम दानियेल के तीसरे अध्याय पर अपनी चर्चा अगले लेख में शुरू करेंगे।

हम इस पृथ्वी के इतिहास के एक विशेष काल में जी रहे हैं। बहुत कम समय में एक महान कार्य पूरा करना है, और इस कार्य को आगे बढ़ाने में प्रत्येक मसीही को अपना भाग निभाना है। परमेश्वर ऐसे जनों को बुला रहा है जो आत्माओं के उद्धार के कार्य के लिए स्वयं को समर्पित करें। जब हम समझना शुरू करेंगे कि नाश होती दुनिया को बचाने के लिए मसीह ने कितना बड़ा बलिदान दिया, तो आत्माओं को बचाने के लिए एक प्रबल संघर्ष दिखाई देगा। ओह, काश हमारी सारी कलीसियाएँ मसीह के अनंत बलिदान को देखें और समझें!

रात्रि के दर्शन में, मेरे सामने परमेश्वर के लोगों के बीच एक महान सुधार आंदोलन के दृश्य गुजरते गए। बहुत-से लोग परमेश्वर की स्तुति कर रहे थे। रोगी चंगे हो रहे थे, और अन्य चमत्कार भी घटित हो रहे थे। मध्यस्थ प्रार्थना की आत्मा दिखाई दे रही थी, ठीक वैसे ही जैसे महान पेन्टेकोस्ट के दिन से पहले प्रकट हुई थी। सैकड़ों और हजारों लोग परिवारों के पास जाते और उनके सामने परमेश्वर का वचन खोलते हुए दिखाई देते थे। पवित्र आत्मा की सामर्थ से हृदयों में दोष का बोध होता था, और सच्चे मन-परिवर्तन की आत्मा प्रकट थी। चारों ओर सत्य के प्रचार के लिए द्वार खोल दिए गए थे। संसार स्वर्गीय प्रभाव से प्रकाशित-सा प्रतीत होता था। परमेश्वर के सच्चे और विनम्र लोगों ने महान आशीर्ष प्राप्त कीं। मैंने धन्यवाद और स्तुति की आवाज़ें सुनीं, और ऐसा प्रतीत हुआ कि 1844 में जैसा हमने सुधार देखा था, वैसा ही सुधार हो रहा था।

तथापि कुछ लोगों ने परिवर्तित होने से इंकार कर दिया। वे परमेश्वर के मार्ग पर चलने को तैयार नहीं थे, और जब परमेश्वर का कार्य आगे बढ़े इस उद्देश्य से स्वैच्छिक भेंटों के लिए आह्वान किया गया, तब कुछ ने स्वार्थवश अपनी सांसारिक संपत्तियों से चिपके रहे। ये लोभी लोग विश्वासियों की संगति से अलग हो गए।

"परमेश्वर के न्याय पृथ्वी पर हैं, और पवित्र आत्मा के प्रभाव में, हमें वह चेतावनी का संदेश देना चाहिए जो उन्होंने हमें सौंपा है। हमें यह संदेश शीघ्रता से, पंक्ति पर पंक्ति, नियम पर नियम देना चाहिए। मनुष्यों को शीघ्र ही बड़े निर्णय लेने के लिए विवश किया जाएगा, और हमारा कर्तव्य है कि हम यह सुनिश्चित करें कि उन्हें सत्य को समझने का अवसर दिया जाए, ताकि वे विवेकपूर्वक सही पक्ष में दृढ़ता से खड़े हो सकें। प्रभु अपने लोगों को बुलाता है कि वे परिश्रम करें—गंभीरता और बुद्धिमानी से परिश्रम करें—जब तक अनुग्रह का समय बना हुआ है।" गवाहियाँ, खंड 9, 126.